

$$\begin{aligned}
& -e_{02345} - e_{01246} - e_{02456} - e_{01357} - e_{03457} - e_{12367} - e_{12467} - e_{13567} - e_{0123} - e_{0124} - \\
& e_{0234} - e_{0135} - e_{0235} - e_{0145} - e_{0245} - e_{0345} - e_{2345} - e_{0126} - e_{1236} - e_{0146} - e_{0246} - \\
& e_{1246} - e_{2346} - e_{0256} - e_{1256} - e_{0356} - e_{1356} - e_{0456} - e_{2456} - e_{0137} - e_{1237} - e_{0247} - \\
& e_{1247} - e_{0347} - e_{1347} - e_{0157} - e_{0357} - e_{1357} - e_{2357} - e_{0457} - e_{3457} - e_{0167} - e_{1267} - \\
& e_{1367} - e_{2367} - e_{1467} - e_{2467} - e_{1567} - e_{3567} - e_{4567} - e_{012} - e_{013} - e_{023} - e_{123} - e_{014} - \\
& 2e_{024} - e_{124} - e_{034} - e_{134} - e_{234} - e_{015} - e_{025} - e_{125} - 2e_{035} - e_{135} - e_{235} - 2e_{045} - \\
& e_{145} - e_{245} - e_{345} - e_{016} - e_{026} - 2e_{126} - e_{036} - e_{136} - e_{236} - e_{046} - e_{146} - 2e_{246} - \\
& e_{346} - e_{056} - e_{156} - e_{256} - e_{356} - e_{456} - e_{017} - e_{027} - e_{127} - e_{037} - 2e_{137} - e_{237} - e_{047} - \\
& e_{147} - e_{247} - e_{347} - e_{057} - e_{157} - e_{257} - 2e_{357} - e_{457} - e_{067} - 2e_{167} - e_{267} - e_{367} - e_{467} - \\
& e_{567} - 2e_{01} - 2e_{02} - 2e_{12} - 2e_{03} - 2e_{13} - 2e_{23} - 2e_{04} - 2e_{14} - 2e_{24} - 2e_{34} - 2e_{05} - \\
& 2e_{15} - 2e_{25} - 2e_{35} - 2e_{45} - 2e_{06} - 2e_{16} - 2e_{26} - 2e_{36} - 2e_{46} - 2e_{56} - 2e_{07} - 2e_{17} - \\
& 2e_{27} - 2e_{37} - 2e_{47} - 2e_{57} - 2e_{67} - 3e_0 - 3e_1 - 3e_2 - 3e_3 - 3e_4 - 3e_5 - 3e_6 - 3e_7 + 4z
\end{aligned}$$